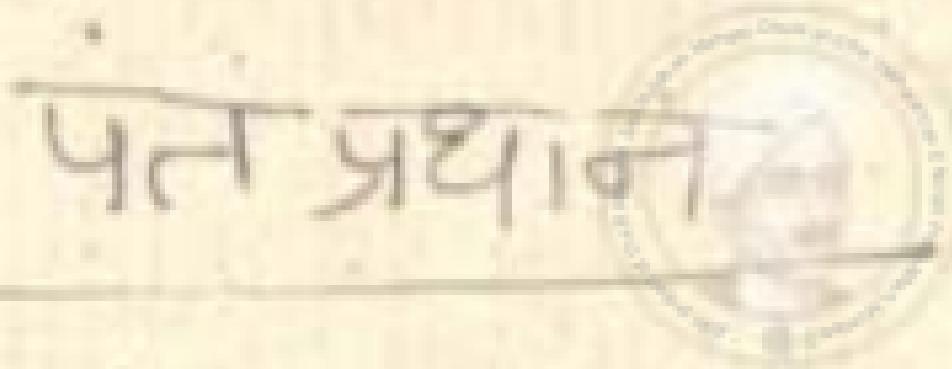


पत्रप्राप्ति



१८५२

10

11

四

संत श्री रमानन्दगाथुंगा द्वादश

८८४

गारी उक्तमें ग्रन्थपत्रों का मिला

पारम्परागत रामायण का अनुवान

१८५४ अप्रैल को एक विद्युत

କୁଦ୍ଧିତାରେଣ୍ଟାନ୍ତିରୁ ଶକ୍ତିମନ୍ତ୍ର । ୩୪୮

^३ द्युमितेनाजपतिष्ठित्वा विभीषणः

सुमारांगांकयत्तिरम्भुक्तमित्यपेहता

~~कांडोली तालुक व दुर्गा नगरांचा~~

Yamade Sanjō *Yamade Sanjō*

~~the Rain
in Philadelphia~~

~~सभा नियमों का अधिकारी~~

~~क्षेत्र द्वितीयामध्ये उत्तरार्धमध्ये~~

तदेव अनुभवात्प्रजाम् उद्दरम्

तपामिधनम् उपाधिकारम्

१-१) ~~मात्रामें विभिन्न देशों का उत्पन्न होने वाली वस्तु~~

ତୁରିଦେଶ୍ଵର ପ୍ରମାଣାନ୍ତର୍ଯ୍ୟମତି ମଧ୍ୟଭା

राजा द्वारा विशेषज्ञान प्रदान किया गया है।

न दृष्टुं भवता कर्त्ता यज्ञानिष्ठा

ଉତ୍ତରାଞ୍ଜପିଲାଟାରାମକଳେଖନୀୟ

— यथा तात्पुर उपरोक्त विधिरागति

~~मात्रा विद्या~~

କପରେ ଦୂର ମଲା ଅନ୍ତର ହାତିଲା

(1.6) ~~प्राचीन विद्या का विवरण~~

१८५ द्वितीय अध्यात्म भाग द्वितीय अध्यात्म

ତୁମରୀରେକାହିଜ୍ଞବ୍ୟକ୍ତିପାଇଲାଏବୁ

~~नामायात्रिपति नामायात्रिपति~~

~~७५४३ अगस्त २०१८ विजय~~

~~विजयपुराणाद्य विष्णु देवतानाम्~~

~~वृत्तान्तानि विद्युतो रसमालिका~~

१-८) तेजस्वारम्भिणीतात्परकाण्य

कृष्णादिमंजसेयम् एव इति अष्टपदो च

याहौ द्वितीय अवस्था विकास का अपेक्षित

କରୁଣାପାତ୍ରମାତ୍ରମା

महाराष्ट्र विभाग की संस्कृति विज्ञान मंडल, धुले और विजयवानक

~~the Rajawade Sa
GO CHAVAP~~

*Joint Project No. 1
between, Mumbai*

द्युम्नस्तदा उत्तेष्ठत अप्यन्वयादित्

ପ୍ରତିବନ୍ଦିତ କାମକାଳୀଙ୍କ ଉତ୍ସବରେ ଆଶୀର୍ବାଦ

କୁଣ୍ଡଳିମନ୍ଦିରେ ହାତଜାପତାମର ଉଦୟମ

नामविलोक्युपेत्तु उमा उम्भायाम्

~~ବୁଦ୍ଧିକ୍ଷତିରେ ତୋଳାନାହୁଁ ଗୋଟିଏ ପାଇଁ~~

~~पञ्चानन्दसंग्रहालय गोपनीय~~

तथा वर्तमाने उद्दिष्ट नाम चाहिए यह अपनी भूमि

~~द्वितीयांशु याष्टि शुक्र~~

~~ग्रन्थालय विभाग का संचालन जल्दी करें।~~

~~कृतमहात्मा लक्ष्मणस्य विद्युतेन विजयो~~

१२) द्वितीय धरातली भरा रही है अमरा

द्वारा अपने दूसरे लोगों की विशेषता वाला एक विशेषज्ञ
जो अपने लोगों की विशेषता वाला एक विशेषज्ञ
की तरफ से प्रभावित होता है। यह विशेषज्ञ
उपलब्ध विशेषज्ञों की विशेषता वाला एक विशेषज्ञ

~~यमुक्तिराजकामद्वयाद्यो~~
~~स्वातो निष्ठेऽप्यत्प्रवृत्त्याद्यो~~
~~तिकेपाहुऽप्यत्प्रवृत्त्याद्यो~~
~~यमो द्वयाद्यो~~

उन्नति विद्या के लिए संस्कृत
जागरण में जगत् लिखित

(2-5) ~~ज्ञानपूर्वक उत्तम विद्या का अध्ययन~~
~~विद्यालय का अध्ययन विषयों के बारे में~~
~~विद्यालय का अध्ययन विषयों के बारे में~~
~~विद्यालय का अध्ययन विषयों के बारे में~~

(26) - इति अन्तर्वाक्याद्यतमयी कृष्णिष्वते
- उद्धृता लिप्यते तु एव इति अन्तर्वाक्य
तो न तेऽपि च तेऽन्तर्वाक्यार्थ
अर्थात् अस्ति पार्वत्य एव एव

~~उत्तर देश का जिहाफ़ विरोधी या~~
~~उत्तर देश का जिहाफ़ विरोधी या~~
~~उत्तर देश का जिहाफ़ विरोधी या~~

या वार्षिक राज्यपालीका
विज्ञानज्ञान प्रगति एवं उत्तराधिकार
समिति के अध्यक्ष द्वारा दिया
दस्त
(2-8) - ८०

(3)

(4)

श्रीमतं भाग्नी

— श्रीमतं भाग्नी पंतं नवास्तामि

— चृष्टपूर्णी

पंतली छोड़न सज्जन गिरा पंचम ताम भज्जांग

न रद्दूरी इन्द्र भज्जता अथ भग्न मुआ अम्बुर्हम्

भ्रत गिर्वानी लिङ्गमा पंन भज्जम साप्त भग्न चरण वधा

ठेया एक्ष्याग्न्य राष्ट्रावृहि निति परभिरात्मा

स्त्री लिपि चृष्टपूर्णी पाम्भुर्धये तीपा उच्च

तम भ्रह्म लिपि परभिरात्री उमरात्मा द्युमध्यवग्ना

(3-1) रात्री लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

ही लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

रात्री लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

द्विलिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

ही लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

गते लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

(3-2) यो साप्त भग्न लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

गीक्ष्य लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

द्विलिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि लिपि

राहितप्रसन्नगीयता॒ नृषु गृण्यपाठ्य॑ द्वारा

ता॒ अ॒ भ॒ नृ॒ गृ॒ ण॒ रा॒ ए॒ ता॒ त्र॒ ा॒ य॒ प॒ ए॒ न॒ ज॒ ि॒ त॒ त॒ ा॒ य॒ ा॒

खा॒ न॒ ा॒ रा॒ च॒ ा॒ न॒ ा॒ लि॒ ा॒ जा॒ श॒ य॒ त॒ थ॒ र॒ ा॒ ष॒ ा॒

भ॒ प॒ म॒ ख॒ वा॒ रा॒ ता॒ व॒ प॒ ा॒ र॒ च॒ न॒ त॒ न॒ त॒ च॒ ि॒ त॒ ा॒ ि॒

दा॒ ध॒ र॒ ल॒ ि॒ ग॒ उ॒ ह॒ ध॒ ल॒ ि॒ ध॒ ा॒ उ॒ च॒ ि॒ म॒ ि॒ भ॒ त॒

भ॒ ए॒ ज॒ न॒ भ॒ य॒ ा॒ न॒ च॒ ा॒ ब॒ श॒ रा॒ ए॒ अ॒ न॒ म॒ श॒ न॒

न॒ अ॒ भ॒ ि॒ ग॒ ा॒ य॒ ा॒ ज॒ ा॒ ध॒ ा॒ त॒ क॒ ा॒ व॒ ि॒ उ॒ ष॒ ि॒ व॒ ि॒

ए॒ उ॒ ज॒ त॒ रा॒ र॒ च॒ ा॒ न॒ त॒ व॒ ि॒ र॒ ा॒ ि॒ ि॒ ा॒ ष॒ ा॒ ए॒ ा॒

म॒ ा॒ न॒ त॒ न॒ ा॒ ष॒ ा॒ ए॒ ष॒ ा॒ ि॒ भ॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒

या॒ त॒ ा॒ म॒ रा॒ ए॒ ब॒ वि॒ ा॒ ज॒ ा॒ त॒ ि॒ त॒ ि॒ ि॒ ि॒

न॒ ा॒ य॒ ि॒ भ॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒

ता॒ र॒ भ॒ ध॒ ा॒ भ॒ र॒ ि॒ भ॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒

न॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒

उ॒ छ॒ ा॒ त॒ च॒ ा॒ ा॒ भ॒ र॒ ा॒ ा॒ भ॒ ि॒ ि॒ ि॒

म॒ ा॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒

च॒ च॒ ल॒ ा॒ ा॒ च॒ ा॒ ा॒ च॒ ा॒ ा॒ च॒ ा॒ ा॒ च॒ ा॒ ा॒

सा॒ ा॒ त॒ न॒ ा॒ ा॒ ब॒ ा॒ ा॒ ा॒ ा॒ ा॒ ा॒ ा॒

वा॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒

प॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

ए॒ त॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒ ि॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

या॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒ भ॒ ा॒ ा॒

Constitutive
Analyses

7

અનુભાવશી

ਚੰਗ ਸਥਾਨ

~~स्वामीनारायण~~

(6) यो कोविज्ञप्ति निष्कृत देखरखा प्रमुख
कामयाता राजमन्त्री नाथ श्री अदित्य हायग्रही
पांडित नीधन पाठ्य विद्यालय आद्यात्मीया नीठ
चालाक निर्माण नाम गोपनीय बाल गोवंस
ज्ञानांग उच्छव यावत भूमि अधिकार विद्यालय
उत्तरी विप्र चमत्कार उल्लङ्घना आणि द्रा
रावील लीन ७५०० रुपये लीन ११५०० रुपये
प्रज्ञान विद्यालय पाठ्य विद्यालय ११००० रुपये
लोकेश विद्यालय विद्यालय विद्यालय
स्वभावात स्वधृत इन निष्कृत विद्यालय
प्रशासनात विद्यालय विद्यालय
घंटाध्यल भूमि उल्लङ्घना आणि द्रा
विद्यालय विद्यालय विद्यालय
इन विद्यालय विद्यालय विद्यालय
पाठ्य विद्यालय विद्यालय
ज्ञान विद्यालय विद्यालय
आवास पाठ्य विद्यालय विद्यालय

पुस्तक (२) चत्ती

Copied
by Shrikrishna

(२००)

— द्रीमंगलामन्त्री पंत —

— ब्रह्मस्वामीवेष्टिप्रेरणी —

स्मिंतीक्षेपमध्यमित्तीयं स्मद्भागेमव्यां
 नमस्त्वारीहृष्मभेदीष्वेष्टिप्रेवन्तेता
 खज्यमाहेनीष्वेष्टिप्रेवन्तेता
 (२१) मस्त्वायथास्त्वीत्तेयानं द्वामीत्तीमी
 गेम्हमयपुरमित्तीहृष्मेष्टिसाष्वद्वांता
 वस्त्रीब्रह्मस्त्रीत्तीव्याजिष्वेष्टित्तीत्ती
 नात्तीष्टित्तीमस्त्रीत्तीव्याजिष्वेष्टित्तीत्ती
 अव्येष्टित्तीत्तीव्यानं वेदनावस्त्रीयमां
 गोत्तीव्यानीष्वेष्टित्तीत्तीप्रेष्टित्तीत्ती
 (२२) नमस्त्रीदेवासीत्तीमस्त्रीत्तीव्यानीत्ती
 चृसापस्तनीष्वेष्टित्तीउज्ज्याप्तिप्रेष्टित्ती
 नमस्त्रीज्ञमस्त्रीत्तीष्वेष्टित्तीव्यानीत्ती
 चेतांथस्त्रीत्तीज्ञमस्त्रीपस्तनीष्वेष्टित्ती
 वाद्यं देष्टित्तीत्तीप्रेष्टित्तीमस्त्रीमस्त्री
 नाक्षणमस्त्रीत्तीष्वेष्टित्तीमस्त्रीव्यानीत्ती
 गस्त्रीष्वेष्टित्तीव्यानीत्तीव्यानीत्ती
 पम्भं दम्भुयाद्वितां जात्यीयपीष्वेष्टित्ती
 चृद्यं देष्टित्तीमस्त्रीमस्त्रीष्वेष्टित्ती

(B)

दाम्पती द्वाया छोटे माणस
सरपापूजन क्रम अधाराश्च मध्ये
तेज एक असपान्त विषय मध्ये
दाम्पती अधारामाणे मध्ये न रुक्ष महा
याधिकार सर्वासाधना

"Joint Project of the Raikwadi Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashoda Chavali Pralsadr Mandal, Mumbai."

Collected
by N. M. Patel

27-9-80

Page (9)

Page (10)

Page (11)

Page (12)

P

— लोकान्धनम् शब्दः —

— विद्युतः —

— विद्युतं जलाणां दृश्यते विद्युतः —

(9-1) — विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

(9-2) — विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

(9-3) — विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

— विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

— विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

(9-4) — विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

— विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

— विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

(9-5) — विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

— विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

(9-6) — विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

— विद्युतं दृश्यते विद्युतः — विद्युतः

The Raigade Sansadhan Mandal, Dhule and the Yagnantrao D. Patil Sansadhan Mandal.

(10)

- लोकान्तरावेदनाम् इति अस्य विषये विशेषं विभूतिः
— अस्य विषये विभूतिः लोकान्तरावेदनाम् इति
— अस्य विषये विभूतिः लोकान्तरावेदनाम् इति

Mandal, Dhule and the

Raigade Sanskrit

Parwan Plateau
of Amravati

(11) ४८

सोनील

हानेश्वर

(12)

३१५६
८५

अमिताभी देव

सुनीषदेव

राजा उमरहीम कान्हाना

कुन्ती कांगड़ी राजा

दो प्रधान १९६५ लोकान्तर

(11A) गुरुभानु उमरहीम

देवियालाली खेड़ी

मालवीय राजा अलंकारी

मध्यप्रधान - अमिताभी

(11B) राजा अमिताभी

दासु उमरहीम १०० रुप्ति

दासु उमरहीम लाली अमिताभी

दासु उमरहीम लाली अमिताभी

राजा उमरहीम उमरहीम

(11C) दूसरी उमरहीम

दूसरी उमरहीम

(11D) उमरहीम लाली अमिताभी

उमरहीम लाली अमिताभी

१२
विष्णुप्रसाद गोपनी
विष्णुप्रसाद गोपनी
विष्णुप्रसाद गोपनी
विष्णुप्रसाद गोपनी
विष्णुप्रसाद गोपनी

२८





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com